राजस्थान में हार्डकोर अपराधियों और गैंग पर शिकंजा कसेगी पुलिस

गैंग संचालन, धमकी, वसूली, फायरिंग और मर्डर जैसे अपराधों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान में सक्रिय संगठित आपराधिक गैंगों पर प्रभावी कार्यवाही के लिए शनिवार को राजस्थान पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा की अध्यक्षता में पुलिस मुख्यालय में संगठित अपराधियों से अधिक प्रभावित जिलों व रेंजों के अधिकारियों की एक हाईलेवल बैठक आयोजित की गई। संबंधित पुलिस अधीक्षक, रेंज आईजी व अन्य वरिष्ठ अधिकारी इस बैठक में शामिल हुए। बैठक का उद्देश्य राज्य में सक्रिय आपराधिक गैंगों की पहचान कर उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करना था। डीजीपी ने सभी जिलों को निर्देश दिए कि गैंग संचालन, धमकी, वसूली, फायरिंग और मर्डर जैसे गंभीर अपराधों में लिप्त तत्वों पर तुरंत प्रभावी कार्रवाई की जाए।

बैठक में एजीटीएफ प्रभारी दिनेश एम एन, एडीजी बीजू जॉर्ज जोसफ, जयपुर पुलिस कमीश्नर सचिन मित्तल, एडीजी अपराध शाखा हवा सिंह, एटीएस/एसओजी के अधिकारी, अपराध शाखा के अधिकारी, बीकानेर, अजमेर, जोधपुर रेंज के अधिकारी, जयपुर व जोधपुर कमिश्नरेट के अधिकारी, 15 जिलों के एसपी, इन रेंज व जिलों के डीएसटी व साइबर सेल के प्रभारी उपस्थित रहे।

डीजीपी ने कहा कि राजस्थान पुलिस संगठित अपराध के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। अपराधियों को हतोत्साहित करना और जनता में सुरक्षा की भावना बनाए रखना ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस कार्य में प्रत्येक पुलिसकर्मी को पूरी क्षमता से काम करना होगा। इस दौरान उन्होंने राजस्थान पुलिस की हर अपराध तथा हर परिस्थिति का सामना करने और जनसुरक्षा की प्रतिबद्धता को भी उजागर किया।

गोष्ठी में डीजीपी शर्मा ने स्पष्ट कहा कि अब कार्रवाई केवल अपराधियों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि पूरे आपराधिक तंत्र को ध्वस्त किया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि राजस्थान में संगठित आपराधिक गैंगों, जो धमकी देने, वसूली करने और भय फैलाने का काम करते हैं, उनका और उनके सदस्यों का चिह्नीकरण करते हुए कठोर एवं प्रभावी क़ानूनी कार्यवाही की जावें। उन्होंने गैंगों के सहायक,सोशल मीडिया पर फॉलो व प्रमोट करने वालों के विरुद्ध भी कार्यवाही के निर्देश दिए गए। इस दौरान जिलों एवं रेंजों के प्रभारियों ने अपने-अपने कार्यक्षेत्रों में संगठित अपराधियों की जानकारी व उनको निष्क्रिय करने की कार्ययोजना प्रस्तुत की। डीजीपी ने कहा कि जिलों में गैंग के सक्रिय सदस्यों पर धारा 111 बीएनएस के तहत कार्यवाही की जाए, ताकि अपराधियों के हौसले पस्त हों। उन्होंने कहा कि ऐसे अपराधियों की सम्पत्ति जब्त करने, वित्तीय स्त्रोतों पर प्रहार करने और उनके सहयोगियों को भी कानूनी दायरे में लाने के लिए ठोस कार्य योजना बनाई जाए। उन्होंने समस्त राजस्थान पुलिस को टीम वर्क के रूप में कार्य करने, तकनीक पर जोर देने तथा परम्परागत तरीकों के साथ-साथ नवीन कार्यप्रणाली अपनाने के निर्देश देते हुए कहा कि चिह्नित अपराधियों और गैंगों के विरुद्ध समस्त सूचनाओं को आपस में साझा किया ताकि उन्हें जड से निष्क्रिय किया जा सके।

बैठक में फायरिंग व मर्डर से संबंधित लंबित प्रकरणों की समीक्षा की गई। डीजीपी ने निर्देश दिए कि जिन मामलों में गिरफ्तारी शेष है, उन्हें प्राथमिकता से निपटाया जाए। फरार अपराधियों की धरपकड के लिए विशेष अभियान चलाने और अदालतों में पेश चालान की स्थिति की भी रिपोर्ट मांगी गई। उन्होंने कहा कि जिलों से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार कई स्थानों पर अपराधियों द्वारा धमकी भरे कॉल आने की शिकायतें मिली हैं। डीजीपी ने ऐसे मामलों में तकनीकी विश्लेषण कर शीघ्र कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर अपराधियों की धमकी या भय का वातावरण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बैठक में उपस्थित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने अपने अनुभव और कार्ययोजना साझा की। एडीजी दिनेश एम एनने गैंगों के सदस्यों, उनके द्वारा किए जाने वाले अपराधों की जानकारी तथा उनके विरुद्ध की जाने वाली कार्यवाही के बारे में विस्तृत कार्ययोजना प्रस्तुत की। बीजू जॉर्ज जोसेफ ने प्रत्येक अपराधी का सिलसिलेवार पीछा करके उनको पकड़ने पर जोर दिया। हवासिंह ने पुराने अपराधों व अपराधियों का पीछा करने के लिए कार्ययोजना पर चर्चा की और समस्त गैंगों का सफाया करने का सुझाव दिया। सचिन मित्तल ने अपराधियों के रिकॉर्ड को ठीक से बनाने और उसे आपस में साझा करने पर बल दिया ताकि सूचनाओं के आदान प्रदान से प्रभावी कार्यवाही अमल में लाई जा सके। बैठक के अंत में सभी जिलों की अपराध स्थिति पर 15 मिनट की पॉवर प्वाइंट प्रस्तुति दी गई, जिसमें गैंगवार, धमकी, वसूली और संगठित अपराध से संबंधित ताज़ा आंकडे साझा किए गए।

- डी.जी.पी. राजीव शर्मा की अध्यक्षता में हुई वरिष्ठ अफसरों की बैठक
- संगठित अपराधों के खिलाफ राजस्थान पुलिस जीरो टॉलरेंस की नीति पर कर रही कार्यवाही : डीजीपी

पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा की अध्यक्षता में पुलिस मुख्यालय में संगठित अपराधियों से अधिक प्रभावित जिलों व रेंजों के अधिकारियों की उच्चस्तरीय बैठक आयोजित हुई।

पौने 2 साल में 210 अधिकारी-कर्मचारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही को मंजूरी

भ्रष्टाचार मुक्त सुशासन की दिशा में भजनलाल सरकार का महत्वपूर्ण कदम

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राज्य सरकार आमजन को संवेदनशील, पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त सुशासन देने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में राजकीय कार्य के निष्पादन में लापरवाही, अनुशासनहीनता एवं भ्रष्टाचार के दोषी कार्मिकों के विरुद्ध निरंतर सख्त कार्रवाई की जा रही है। राजकीय सेवाओं में अनुशासन और ईमानदारी के लिए सर्वोपरि स्थान सुनिश्चित करने के क्रम में राज्य सरकार द्वारा गत पौने दो वर्ष में कुल 210 कार्मिकों के विरुद्ध विभिन्न अनुशासनात्मक कार्यवाहियां की गई हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का मानना है कि अधिकारी-कर्मचारी सरकार के शासन तंत्र की मुख्य धुरी हैं, जिनकी जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने में अहम भूमिका होती है। ऐसे में कार्मिक पूरे समर्पण भाव एवं सत्यनिष्ठा से काम करते हुए राज्यहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दें, ताकि अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को योजनाओं का पूरा लाभ मिल सके।

राज्य सरकार ने 20 माह के कार्यकाल में आपराधिक प्रकरणों में कार्रवाई करते हुए अखिल भारतीय सेवा एवं राज्य सेवा के 66 अधिकारियों को निलंबित किया है। इसी प्रकार, आपराधिक प्रकरणों में दोष सिद्ध पाए जाने पर 6 अधिकारियों को पदच्युत एवं 9 अधिकारियों के विरूद्ध आजीवन शत प्रतिशत पेंशन रोकने संबंधी कार्रवाई की है। राजकीय सेवाओं में ईमानदारी एवं कर्तव्यनिष्ठा सुनिश्चित करने के क्रम में राज्य सरकार ने 20 माह के कार्यकाल में ही 98 कार्मिकों के विरुद्ध अभियोजन स्वीकृति प्रदान की है।

वहीं, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 2018 की धारा 17ए के तहत कुल 31 प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण किया है।

- भ्रष्टाचार, लापरवाही और अनुशासनहीनता बरतने वालों पर राज्य सरकार ने दिखाई सख्ती

देवनानी ने की मुख्यमंत्री से भेंट

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात की। देवनानी ने मुख्यमंत्री शर्मा का पुष्पगुच्छ भेंट कर शीघ्र स्वस्थ होने के लिए शुभकामनाएं दी। देवनानी ने मुख्यमंत्री से उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। देवनानी ने मुख्यमंत्री को दीपावली पर्व की बधाई भी दी। देवनानी और मुख्यमंत्री की एक घंटे से अधिक समय की मुलाकात में राज्य के विकास कार्यों से संबंधित विभिन्न मुद्दों, योजनाओं और राजस्थान विधानसभा के संबंध में चर्चा हुई।

लोक आस्था, अनुशासन और आत्मसंयम के प्रतीक ''डाला छठ'' महापर्व का शनिवार को श्रद्धा-भक्ति के साथ शुभारंभ हो गया है। इस महापर्व पर अपने घर लौटने वाले बिहारी समाज के लोगों की शनिवार को जयपुर रेलवे स्टेशन पर भारी भीड़ रही।

कैफे की आड़ में चल रहे हुक्का बार पर छापा

जयपुर। अशोक नगर थाना इलाके में पुलिस ने कैफे एडं रेस्टोरेंट की आड में चल रहे हुक्का बार पर कार्रवाई करते हुए नौ युवाओं के चालान काटे और कैफे संचालक को अरेस्ट कर भारी मात्रा में हुक्का,पाइप, फ्लवेर डिब्बे बरामद किये गए है।

पुलिस उपायुक्त दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि शनिवार को इलाके में चल रहे अवैध हुक्का बार के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया था।

जिसमें पुलिस की विशेष टीम ने मुखबिर की सूचना पर अशोक नगर थाना इलाके में संचालित ब्लू जयपुर कैफे एण्ड रेस्टोरेंट अशोक मार्ग, स्कीम पर छापामार संचालक आशीष यादव (25)निवासी गोपालपुरा अजीतगढ सवाई माधोपुर जिला सीकर हाल ब्लू जयपुर कैफे एण्ड रेस्टोरेंट अशोक मार्ग ,सी स्कीम निवासी को अवैध रूप से 9 लोगों को हुक्का पिलाते हुए गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बार में मिले नौ लोगों पर 18 सौ रुपए का जुर्माना लगाया।

- पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध हुक्का सामग्री बरामद की

''मन की बात'' कार्यक्रम आज

जयपुर। भाजपा प्रदेश कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक ने बताया कि रविवार 26 अक्टूबर को प्रात: 11 बजे जयपुर स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनप्रेरक संवाद कार्यक्रम मन की बात का लाइव प्रसारण किया जाएगा।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड, पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, विभिन्न प्रकोष्ठों के प्रभारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे।

कार्यक्रम का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के विचारों, राष्ट्रिनर्माण के संदेशों और जनसरोकारों को कार्यकर्ताओं एवं आम नागरिकों तक पहुँचाना है। पारीक ने बताया कि मन की बात केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि देशवासियों के साथ आत्मीय संवाद का माध्यम है, जो जनता को राष्ट्रिहत के कार्यों से जोड़ता है।

अंता विधानसभा उपचुनाव को लेकर भाजपा की बैठक

जयपुर। अंता विधानसभा उपचुनाव के मध्यनज़र भारतीय जनता पार्टी के मीडिया, सोशल मीडिया एवं आईटी विभाग की एक महत्वपूर्ण बैठक शनिवार को प्रदेश कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में उपचुनाव के दौरान पार्टी की प्रचार रणनीति, जनसंदेश अभियान, मीडिया समन्वय एवं सोशल मीडिया की भूमिका को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता भाजपा प्रदेश मीडिया, सोशल मीडिया व आईटी विभाग प्रभारी एवं प्रदेश मंत्री पिंकेश पोरवाल ने की। पोरवाल ने बताया कि पार्टी संगठन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में विकास, सुशासन और पारदर्शिता के संदेश को जनता तक पहुंचाने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। भाजपा प्रदेश मंत्री पिंकेश पोरवाल ने बताया कि भाजपा की मीडिया और आईटी टीम अंता उपचुनाव में पार्टी की जनकल्याणकारी नीतियों और उपलब्धियों को जन-जन तक पहुँचाने का कार्य करेगी। वहीं बूथ स्तर तक डिजिटल नेटवर्क को मज़बूत करते हुए जनता के सीधे संवाद को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके साथ ही सोशल मीडिया के माध्यम से विपक्ष के भ्रामक प्रचार का तथ्यात्मक उत्तर देने की रणनीति भी तय की गई। बैठक में प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ, सोशल मीडिया संयोजक हीरेंद्र कौशिक, आईटी संयोजक अविनाश जोशी ने अपने विभाग के कार्य, रूप रेखा और आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा की। भाजपा प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ ने बताया कि भाजपा के कार्यकर्ता घर-घर जाकर केंद्र और राज्य सरकार की जनहितकारी योजनाओं को जनता तक पहुँचाएंगे और अंता उपचुनाव में पार्टी की ऐतिहासिक विजय सुनिश्चित करेंगे।

जेडीए ने सरकारी जमीन से हटाया अतिक्रमण

जयपुर। जेडीए की टीम ने गुर्जर की थड़ी स्थित प्रेम नगर द्वितीय में सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाया। यहां अतिक्रमियों ने सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा करके गेट, दो चारदीवारी, टीनशेडनुमा कमरा और दीवार बना रखी थी। उप महानिरीक्षक राहुल कोटोकी के निर्देश पर जेडीए की प्रतर्वन टीम ने यहां कार्रवाई की। इसी प्रकार सीकर रोड औश्र दिल्ली बाईपास से सेटे ग्राम लक्ष्मीनारायणपुरा अखैपुरा में खसरा नं. 51 की करीब 2 बीघा निजी खातेदारी की कृषि भूमि पर बसाई जा रही अवैध कॉलोनी ''वेयर हाऊस'' को भी ध्वस्त किया। उप महानिरीक्षक राहुल कोटोकी ने बताया कि जेडीए प्रशासन ने वर्ष 2024 में 383 तथा वर्ष 2025 में 316 कार्रवाई करते हुए करीब 700 नवीन अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त किया है।

राजेन्द्र भाणावत की पुस्तक ''ए व्यू फ्राम विदिन'' एक प्रशासक की जनसेवा का दस्तावेज : डी. आर. मेहता

जयपुर। लेखक, कवि-सम्पादक राजेन्द्र भाणावत की पुस्तक ''ए व्यू फ्राम विदिन'' का लोकार्पण राजस्थान प्रौढ शिक्षा समिति के सभागार में आयोजित हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए पद्मभूषण सम्मानित डी. आर. मेहता ने कहा कि राजेन्द्र भाणावत की यह पुस्तक उनके भारतीय प्रशासनिक सेवा में रहते हुए अनुभवों का ऐसा जीवन्त दस्तावेज है जो ईमानदारी से की गई जन सेवा के, वंचित वर्ग की सहायता के सौद्देश्य उ दाहरणों का केन्द्र बिन्दु है। सबसे पहले पुस्तक लेखक राजेन्द्र भाणावत ने सभी आगंतुकों का भाव भीना स्वागत किया।

पुस्तक पर बोलते हुए डा. रमेश अरोड़ा ने कहा कि यह पुस्तक आने वाले युवा प्रशासनिक अधिकारियों का मार्ग प्रशस्त करेगी। इस अवसर बोलते हुए पूर्व वरिष्ठ भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी एन.एस.सिसोदिया ने कहा कि भाणावत ने ईमानदारी से काम करते हुए बार- बार कार्यकाल से बीच में ही तबादले भी झेले, लेकिन वे अपने लक्ष्य से डिगे नहीं।

वरिष्ठ चिन्तक और लेखक आई सी श्रीवास्तव ने कहा कि अपने अनुभवों को याद करते हुए कहा कि हम जब भी आम आदमी के लिए बिना सिफारिश के काम करते हैं तो एप्रोच वाले लोगों को तकलीफ़ होती है। नतीजतन ,राजनीतिक हस्तक्षेप और नेताओं की नाराज़गी झेलना ही पड़ती है। परिणामस्वरूप उपहार में तबादले दर तबादले मिलते हैं। लेकिन, यह संतोष का विषय है कि भाणावत जी ने अपने उसूलों से समझौता नहीं किया और जहां रहे अपने काम की छाप छोड़ी। पूर्व कुलपति और शिक्षाविद डा. अशोक कुमार ने भाणावत जी के राजस्थान विश्वविद्यालय में छात्रों के हित में लिए निर्णयों को याद किया। वरिष्ठ साहित्यकार डॉ दुर्गा प्रसाद अग्रवाल ने कहा कि आम तौर पर प्रशासनिक अधिकारियों की लोक छवि बहुत दूषित है, लेकिन राजेन्द्र भाणावत इसके ठीक विपरीत एक आदर्श उदाहरण हैं। भाणावत ने अपनी पुस्तक में जो अनुभव लिखें है, वे आत्मप्रशंसा से मुक्त रह कर लिखने में सफल रहे हैं। मीनाक्षी हूजा ने कहा कि यह एक अद्वितीय लेखन है जो वर्तमान के अंधकारमय समय में एक प्रकाश स्तंभ की तरह है।

पूर्व आईएएस, एस.एस.बिस्सा ने कहा कि भाणावत जी कि पुस्तक उनके लेखकीय व्यक्तित्व को पुख्ता ढंग से उजागर करती है। वरिष्ठ साहित्यकार राजेन्द्र मोहन शर्मा ने बताया कि भाणावत साहब ने सकारात्मक जन आंदोलनों को गति दी थी। उसी का नतीजा था कि आपके कार्यकाल में राजस्थान ने साक्षरता के क्षेत्र में लम्बी छलांग लगाई कर देश में नाम रोशन किया था। सोशल एक्टिविस्ट कविता श्रीवास्तव ने कहा कि भाणावत जी सहजता की प्रतिमूर्ति रहे हैं। इसी लिए मैंने आम आदमी को आपके पास सहजता से आते और समाधान पाते देखा है। वरिष्ठ पत्रकार और लेखक सन्नी सबेस्टियन ने कहा कि यह पुस्तक मेरी पसंदीदा पुस्तक है क्योंकि यह आम लोगों के हित में काम करने का रास्ता साफ साफ दिखाती है और काम करने वालों को हौसला देती है। प्रोफेसर लाड कुमारी जैन ने कहा कि भाणावत साहब उन सरल सहज लोगों में हैं जो हमेशा ही सफलता का श्रेय अपने साथियों को देकर प्रसन्न होते हैं। कार्यक्रम का संचालन समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र बोड़ा ने किया। समारोह की अध्यक्षता न्यायमूर्ति पानाचन्द जैन ने करते हुए कहा कि महात्मा कितना ही बड़ा हो यदि उसके आचरण में शुचिता नहीं है तो सब व्यर्थ है, और भाणावत साहब इसकी प्रतिमूर्ति हैं।अन्त में श्रीमती अनिता भाणावत ने सभी का समारोह में शामिल होने के लिए आभार व्यक्त किया।

पूर्व आई.ए.एस. राजेन्द्र भाणावत की पुस्तक ''ए व्यू फ्रॉम विदिन'' का लोकार्पण पद्म भूषण डॉ. डी.आर.मेहता ने किया।

युवक की हत्या कर शव पार्क के बाहर फेंकने वाले दो हत्यारे गिरफ्तार

खुली मजदूरी को लेकर विवाद चल रहा था, नशे का मिश्रित इंजेक्शन लगाने से हुई थी मौत

जयपुर। विद्याधर नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए युवक की हत्या कर शव को पार्क के बाहर डालने वाले दो हत्यारे को गिरफ्तार किया है। वहीं गिरफ्तार दोनों हत्यारे मृतक के दोस्त थे। इन के बीच में खुली मजदूरी को लेकर विवाद चल रहा था जिस के चलते आरोपियों ने मृतक को नशे का मिश्रित इंजेक्शन दिया। जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद दोनों हत्यारे ने लाश को ठिकाने लगाने के लिए लाश को स्कूटी से विद्याधर नगर स्थित एक पार्क के बाहर डाल दिया। पुलिस को मामला ओवर डोज का लगे इस लिए शव के पास नशे के इंजेक्शन डाल दिये।

पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करण शर्मा ने बताया कि विद्याधर नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए युवक भवानी सिंह (32) निवासी दांतारामगढ जिला सीकर की हत्या कर शव को पार्क के बाहर डालने वाले हत्यारे नवीन कुमार डंगोरिया निवासी सदर जयपुर और अजय स्वामी निवासी शास्त्रीनगर जयपुर को गिरफ्तार किया है।

पुलिस जांच में सामने आया है कि मृतक भवानी सिंह हत्यारे नवीन और अजय का दोस्त था। ये लोग रेल्वे स्टेशन जयपुर के पास मजदूरी करते है। मृतक भवानी सिंह एवं नवीन कुमार डंगोरिया आपस में एक दूसरे के दोस्त हैं। दोनों के बीच खुली मजदूरी को लेकर रंजिश चल रही थी। 19 अक्टूबर की रात को मृतक भवानी सिंह बड़ोदिया बस्ती में मेट्रो रेल की खाली जगह में अकेला बैठा था। जिसको नवीन कुमार ने देख लिया एवं भवानी सिंह के पास जाकर खुद के पास एक नशे की अनुभूति कराने वाला इंजेक्शन होना बताया और भवानी सिंह को नशे के मिश्रित पदार्थ का इंजेक्शन लगा दिया। जिस से भवानी सिंह की मृत्यु हो गई। मौके पर आरोपी नवीन को आसपास के लोगों ने देख लिया। जिस पर आरोपी ने भवानी सिंह की लाश को ठिकाने लगाने के लिए रेलवे स्टेशन के आसपास काम करने वाले अपने परिचित अजय स्वामी को बुला कर लाया तथा दोनों ने डैड बॉडी को उठाकर मेट्रो रेल की खाली जगह की चारदीवारी पर पटका व मृतक की लाश को दीवार के दूसरी तरफ गली की तरफ पटक कर नवीन ने अपनी स्कूटी की शीट पर उसे रखा जिसे अजय स्वामी ने शीट पर पीछे बैठकर पकड लिया तथा नवीन कुमार स्कूटी चलाकर चौमू पुलिया होते हुए अम्बाबाड़ी शॉपिंग सेंटर के पास आये तथा आशाराम बापू पार्क के गेट पर स्कूटी को रोककर मृतक भवानी सिंह के लाश को पटक कर फरार हो गये।थानाधिकारी नरेन्द्र खीचड ने बताया कि 20 अक्टूबर विद्याधर नगर स्थित अम्बाबाड़ी शॉपिंग सेन्टर के पास अम्बिका गैस के सामने पार्क के गेट पर एक नौजवान युवक की लाश पड़ी है। मौके पर जाकर देखा तो अम्बाबाड़ी शॉपिंग सेंटर के पास आशाराम बापू पार्क के गेट के पास अम्बिका गैस सर्विस के सामने एक व्यक्ति की लाश उल्टी पड़ी हुई थी, मृतक की हथेली पर एक सीरीज एवं पास में एविल दवा (इंजेक्शन) की शीशी पड़ी हुई थी. मृतक की बाई आंख के ऊपर की तरफ ललाट पर चोट का निशान था। जहां मृतक की पहचान भवानी सिंह (32) निवासी दांतारामगढ जिला सीकर के रूप में हुई। पुलिस टीम ने बारीकी से जांच करने के लिए आसपास लगे हुए सीसीटीवी फुटेज चेक किये। जिस से पता चला कि 19 अक्टूबर की रात स्कूटी सवार दो व्यक्ति मृतक की लाश को स्कूटी की सीट पर बीच में रख कर पकड कर लाते हुए अम्बाबाडी पार्क के गेट पर सुनसान जगह पर पटक कर स्कूटी से फरार हो गए हैं। बदमाशों की पहचान करने के लिए आने वाले रास्तों तथा लाश को डालकर फरार होने के रास्ते के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज को आधार बना कर रूट चार्ट तैयार किया गया। जिसके बाद पुलिस ने हत्या की वारदात करने वाले मुख्य आरोपी नवीन कुमार और सहआरोपी अजय स्वामी को पकडा।